आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 25.05.2026
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज राष्ट्रपति भवन में वर्ष 2026 के पद्म पुरस्कार प्रदान किए। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी पद्मभूषण से सम्मानित।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने और भू कानून के प्रभावी पालन को लेकर जिलाधिकारियों को सख्त निर्देश दिए।
- गंगा दशहरा पर हरिद्वार और गंगोत्री धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़, हरिद्वार में 55 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया गंगा स्नान, सुरक्षा के लिए प्रशासन रहा अलर्ट।
- **और,** विश्वनाथ जगदीशीला डोली यात्रा उत्तराखंड भ्रमण के बाद टिहरी जिले के विसोन पर्वत पहुंचकर संपन्न हुई।

सम्मान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज राष्ट्रपति भवन में वर्ष 2026 के पद्म पुरस्कार प्रदान किए। समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी उपस्थित रहे।

दो पद्म विभूषण, छह पद्म भूषण और 58 पद्मश्री सहित 66 अलंकरण आज दिए गए। शेष पद्म पुरस्कार समारोह के दूसरे चरण में प्रदान किये जायेंगे।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को राष्ट्रपति ने पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें जनसेवा, शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान के लिए प्रदान किया गया।

भगत सिंह कोश्यारी सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद्, पत्रकार और राष्ट्रवादी नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। उन्होंने वर्ष 1966 में पिथौरागढ़ में सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना की, जिससे सीमांत क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा मिला। इसके अलावा उन्होंने विवेकानंद इंटर कॉलेज की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राजनीतिक जीवन में वे उत्तराखंड के गठन के बाद राज्य की पहली सरकार में कैबिनेट मंत्री बने और बाद में मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी भी संभाली। वर्ष 2008 में वे राज्यसभा के लिए चुने गए और वर्ष 2014 में नैनीताल–ऊधम सिंह नगर सीट से लोकसभा सांसद बने। उन्होंने महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया।

भगत सिंह कोश्यारी ने उत्तराखंड आंदोलन और राज्य के विकास से जुड़े विषयों पर पुस्तकें भी लिखीं। उनका जीवन शिक्षा, समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का उदाहरण माना जाता है।

आकाशवाणी देहरादून के लिए समाचार कक्ष से पंकज सनवाल खुल्बे।

वचुर्अल बैठक

प्रदेश में सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने और भू कानून के प्रभावी पालन को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी जिलाधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उधम सिंह नगर के खटीमा से सभी ज़िलाधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों और भू कानून उल्लंघन के मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में ग्राम सभाओं की सरकारी भूमि की जांच तेज करने और भू कानून का उल्लंघन कर खरीदी गई जमीनों की तत्काल जांच करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां भी भू कानून का उल्लंघन पाया जाए, वहां संबंधित भूमि को राज्य सरकार में निहित किया जाए। उन्होंने शत्रु संपत्तियों से अवैध कब्जे हटाने और वक्फ संपत्तियों के ब्यौरों की नियमित जांच के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने अन्य राज्यों से आए लोगों के शस्त्र लाइसेंस की जांच, संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी और सत्यापन अभियान में तेजी लाने को कहा। साथ ही अवैध राशन कार्ड बनाकर सरकारी सुविधाओं का लाभ लेने वाले अपात्र लोगों को चिन्हित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने आगामी मानसून को देखते हुए सभी जिलों में पूर्व तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, पेयजल व्यवस्था सुचारू रखने और बिजली कटौती की स्थिति में लोगों को पहले से सूचना देने को कहा।

मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा की नियमित निगरानी करने और श्रद्धालुओं से लगातार फीडबैक लेने के निर्देश भी दिए। उन्होंने यात्रा मार्गों पर पेयजल और यातायात व्यवस्था बेहतर बनाए रखने पर जोर दिया। इसके अलावा कृषि और उद्यान विभाग की योजनाओं को किसानों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने और आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

लोकार्पण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा भ्रमण के दौरान विकासखंड कार्यालय परिसर में लगभग 89 लाख रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने 55 लाख रुपये की लागत से निर्मित "दीदी की लाइब्रेरी" का लोकार्पण करते हुए कहा कि इस यह लाइब्रेरी, विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए महत्वपूर्ण केंद्र साबित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, रोजगार और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में समान रूप से कार्य कर रही है, ताकि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच सके।

गंगा दशहरा

गंगा दशहरा के अवसर पर आज हरिद्वार और गंगोत्री धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। धर्मनगरी हरिद्वार में हरकी पैड़ी समेत विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाकर सुख–समृद्धि की कामना की। हर–हर गंगे और जय मां गंगे के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

प्रशासन के अनुसार भाम तक हरिद्वार में लगभग 55 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। रविवार को जहां करीब 27 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया था, वहीं आज सुबह से ही लाखों श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचते रहे। हरकी पैड़ी, सुभाष घाट, चंडी घाट, कनखल और अन्य घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली।

भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड पर रहा। पूरे मेला क्षेत्र को 11 जोन और 27 सेक्टरों में बांटा गया था। घाटों और प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से निगरानी की गई।

वहीं गंगा दशहरा पर गंगोत्री धाम में भी श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। देश–विदेश से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने भागीरथी तट पर स्नान कर मां गंगा की पूजा–अर्चना की। गंगोत्री मंदिर और घाटों पर धार्मिक अनुष्ठान, भजन–कीर्तन और गंगा आरती का आयोजन किया गया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के लिए प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाओं पर संतोश जताया।

आका"वाणी देहरादून के लिए समाचार कक्ष से साक्षी सिंह

इधर, हरिद्वार में गंगा स्नान का सिलसिला अभी भी जारी है, और भक्त लगातार आस्था की डुबकी लगाने के लिए विभिन्न घाटों पर पहुंच रहे हैं।

जगदीशीला डोली यात्रा

विश्वनाथ जगदीशीला डोली यात्रा लगभग 11 हजार किलोमीटर के उत्तराखंड भ्रमण के बाद आज टिहरी ज़िले के भिलंगना विकासखंड स्थित विसोन पर्वत पहुंचकर संपन्न हो गई। गंगा दशहरा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने डोली यात्रा के साथ विश्वनाथ नदी में स्नान कर आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान हवन–यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया तथा स्थानीय देवी–देवताओं का अवतरण भी हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक मंत्री प्रसाद नैथानी ने बताया कि यह डोली यात्रा पिछले 27 वर्षों से उत्तराखंड भ्रमण कर रही है। उन्होंने कहा कि यात्रा का उद्देश्य विश्व शांति के साथ–साथ उत्तराखंड में एक हजार धामों को चिन्हित करना है। अब तक 432 धामों का चिन्हीकरण किया जा चुका है और इसका खाका सरकार को भेजा जाएगा।

श्रीदेव सुमन जयंती

टिहरी में अमर शहीद श्रीदेव सुमन की 110वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय की ओर से चंबा विकासखंड के जोल गांव में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि अमर शहीद श्रीदेव सुमन जननायक थे, जिन्होंने राजशाही के खिलाफ संघर्ष कर जनता के अधिकारों के लिए आवाज उठाई। टिहरी रियासत को आजाद कराने के लिए श्रीदेव सुमन के 84 दिन तक उपवास रखने संघर्ष को याद करते हुए श्री उपाध्याय ने कहा कि श्रीदेव सुमन का संघर्ष आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

समाप्त